कार्य का विवरण

भारत रूरल लाईवलीहुड्स फाउण्डेशन (बीआरएलएफ)

1. रिक्त पद: क्षेत्र -संयोजक (05 पद), भारत रूरल लाईवलीहुड्स फाउण्डेशन

2. बीआरएलएफ के विषय में

भारत सरकार द्वारा , सोसायटीज़ रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत, केन्द्र और राज्य सरकारों की भागीदारी में नागरिक सामाजिक कार्यों को गति देने के उद्देश्य से **भारत रूरल लाईवलीहुड्स फाउण्डेशन** की एक स्वतंत्र संस्था के रूप में स्थापना हुई। इसका उद्देश्य ग्रामीण परिवारों के जीवन और आजीविका में, खास तौर पर मध्य भारत के जनजातीय क्षेत्रों की महिलाओं के जीवन और आजीविका में परिवर्तन लाना है।

बीआरएलएफ अपनी तरह की एक अनोखी पहल है और इस संस्था का निर्माण एक भागीदारी संस्था के रूप में हुआ है जिसमें एक तरफ भारत सरकार और दूसरी तरफ निजी क्षेत्र के दाता, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के उपक्रम (निगम की सामाजिक जिम्मेदारी के तहत) हैं। बीआरएलएफ का मुख्य काम नागरिक सामाजिक संगठनों को उनके प्रमाणित हस्तक्षेपों के लिये मानव-संसाधन और संस्थागत खर्चों के लिये वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना, छोटे नागरिक सामाजिक संगठनों की क्षमता को बढाने में निवेश करना, और जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले व्यावसायिक मानव संसाधनों की क्षमता में वृद्धि करना है। अधिक जानकारी के लिये हमारी वेबसाईट http://www.brlf.in पर जाएँ।

परियोजना के बारे में

बीआरएलएफ यूरोपियन यूनियन के सहयोग से "स्ट्रेंथनिंग सिविल सोसायटी एक्शन फॉर ट्रांस्फोर्मिंग लाइव्स ऑफ़ दी पर्टिकुलरली वल्नरेबल ट्राइबल ग्रुप्स ऑफ़ झारखण्ड एंड मध्य प्रदेश' परियोजना का क्रियान्वयन कर रहा है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य मध्य प्रदेश और झारखण्ड के विशेष वंचित जनजातीय समूहों व दलित समुदायों के जीवन व आजीविका में रूपांतरण करना है। उक्त परियोजना मध्यप्रदेश के तीन जिलों के चार ब्लाक व, झारखण्ड के दो जिलों के दो ब्लाक में लागू की गई है।

3. कार्य का विवरण

मुख्य उत्तरदायित्त्व –

- कार्यक्रम संबंधी सभी गतिविधियों का निरीक्षण और कार्यान्वयन और बीआरएलएफ के प्रबंधन और कर्मचारियों के लिये सम्पर्क का माध्यम बनना।
- यह सुनिश्चित करना के कार्यक्रम की गतिविधियाँ बीआरएलएफ और दाता संगठनों की नीतियों के अनुकूल हों।
- परियोजना की गतिविधियों का विकास, कार्यान्वयन और निरीक्षण करना, मैदानी स्तर पर कार्यरत प्रोजेक्ट टीम का निरीक्षण और रिपोर्टिंग अधिकारी द्वारा निर्देशित कार्य योजनाओं का कार्यान्वयन करना।
- गतिविधियों की रिपोर्ट, मीटिंग के मुद्दे, वित्तीय विवरण को रिपोर्टिंग अधिकारी के समक्ष नियमित रूप से प्रस्तुत करना।
- कार्यान्वयन टीम का नेतृत्त्व करना और उन्हें प्रोत्साहित करना, परियोजना की गतिविधियों और उस पर होने वाले खर्च पर नजर रखना और परियोजना से संबंधित अन्य हितधारकों और स्वयंसेवकों के बीच संयोजन करना।
- परियोजना क्षेत्र में कार्यरत अन्य टीमों के सदस्यों के साथ सहयोग और संयोजन स्थापित करना और उन्हें परियोजना के लक्ष्यों और उसके विभिन्न सोपानों को सफलतापूर्वक पूरा करने में मदद देना।
- क्षेत्र पर काम करने वाली टीम के साथ मिलकर, मामलों के अध्ययन का, सफलता की कहानियों का दस्तावेजीकरण करना।
- परियोजना के प्रभावी कार्यान्वयन के लिये टीम का दिशा निर्देश करना।
- सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों के साथ, प्रशिक्षण के लिये वित्तीत सहायता और तकनीकी सहयोग के लिये सम्पर्क बनाए रखना।
- रिपोर्टिंग अधिकारी और प्रबंधन द्वारा दिये गए अन्य कार्यों को करना।

पात्रता, अनुभव एवं दक्षताएँ

पात्रता – किसी भी प्रवाह में स्नातक/ समाज कार्य में अनुस्नातक

अनुभव – विकास के क्षेत्र में कार्यक्रमों के कार्यान्वयन का 10 वर्ष का अनुभव

आवश्यक दक्षताएँ:

क) कंप्युटर ज्ञान साथ अंग्रेजी और हिंदी में अच्छा संचार कौशल

ख) बहु-सांस्कृतिक / बहु-विषयक टीम में काम करने की क्षमता

ग) टीम में बहु-कार्य और अच्छी तरह से काम करने की क्षमता

घ) आवश्यकता अनुसार यात्रा करने के लिए तैयार

4. रिपोर्टिंग अधिकारी – वरिष्ठ कार्यक्रम कार्यान्वयन अधिकारी – बीआरएलएफ, नई दिल्ली

5. मासिक वेतन - ₹ 30000/-

6. अवधि: 6 माह (यह अवधि भविष्य में परियोजना की आवश्यकता अनुसार बढ़ाई जा सकती है)

7. पदों की संख्या: 5

8. स्थान: झारखंड- पलामू जिला [1]; मध्य प्रदेश- जिला शिवपुरी (1), जिला करहल (1), जिला विजयपुर (1) एवं जिला गुना (1)

9. संपर्क के लिये पता-

टीम सैम्स
स्ट्रेटेजिक अलाएन्स मेनेजमेन्ट सर्विसेस प्रा. लि.
1/1बी, चौधरी हेतराम हाउस, भारत नगर,
न्यु फ्रेन्ड्स कोलोनी, नई दिल्ली – 110025
फोन. न. 011-26842162; 41653612

आवेदन प्रक्रिया
इस पद पर कार्य करने में रुचि रखने वाले पात्रता प्राप्त आवेदक कृपया https://recruitment.samshrm.com/JOBS/BRLF लिंक के द्वारा दिनाँक 12 मार्च 2021 तक ऑनलाईन आवेदन भेजें।

टिप्पणी - बीआरएलएफ एक समान अवसर देने वाली संस्था है। योग्यता प्राप्त महिलाओं को आवेदन देने के लिये प्रोत्साहित किया जाता है। लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिये आवेदक अपनी इच्छा से अपनी भाषा – हिंदी या अंग्रेजी - का चुनाव कर सकते हैं।